Title: Need to review New Textile Policy - Laid.

डॉ0 सुशील कुमार इन्दौरा(सिरसा): अध्यक्ष महोदय, कपड़ा उद्योग देश में वह क्षेत्र है जहां खेती के बाद दूसरे स्थान पर नागरिकों को रोजगार मिलता है और वे अपनी आजीविका अर्जित करते हैं। भारत जैसे देश में जहां जनसंख्या बाहुल्य है वहां उद्योगों में श्रम प्रधान तकनीक का उपयोग ही लाभकारी है। कपड़ा उद्योग इसी श्रम प्रधान तकनीक के आधार पर देश के अधिकतम परिवारों का पालन करता है। अभी सरकार ने कपड़ा उद्योग के लिए नई कपड़ा नीति घोाित की है जिसके तहत ि वदेशी पूंजी निवेश को स्वीकृति दी गई है। इसके लघु उद्योग के मौजूदा स्वरूप को बदल दिया गया है। सभापति जी, विदेशी पूंजी या बहुराट्रीय कम्पनियों के प्रवेश के साथ साथ पूंजी प्रधान तकनीक की घुसपैठ भी हो जाती है जिसमें लोगों को रोजगार देने की क्षमता तक और उत्पादन अधिकतम पूंजी के बल पर किए जाने की क्षमता होती है। यह तकनीक भारत जैसे देश के लिए हानिकारक है। अतः मेरा आग्रह है कि नई कपड़ा नीति पर पुनः विचार किया जाए और इसमें पूंजी प्रधान तकनीक की घुसपैठ पर प्रतिबंध लगाया जाये और श्रम प्रधान तकनीक के आयोग को बढ़ाकर देने के लिए अवश्य इसमें विकास और विस्तार के प्रयासों को प्रोत्साहन दिया जाये।